उत्तराखंड की वाइन टूरिज़्म पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने **वाइन टूरिज़्म (वाइन पर्यटन) को** बढ़ावा देने के लिये अपनी नई आबकारी नीति के तहत **कोटद्वार** में अपनी **पहली** वाइन उत्पादन **इकाई का उद्घाटन किया।**

मुख्य बिंदु

- **वाइन टूरिज़्म पहल:**
  - इस पहल का उद्देश्य वाइन प्रेमियों को वाइन उत्पादन इकाइयों का दौरा करने, **वाइन के इतिहास के बारे में जानने, उत्पादन प्रक्रिया को** समझने और **विभिन्न प्रकार** की वाइन का स्वाद लेने **का अवसर प्रदान करना है।**
  - **पर्यटन अनुभव को बढ़ाने के लिये वाइन इकाइयों के आसपास गेस्ट हाउस** विकसित किये जा रहे हैं, जिससे आगंतुकों को आराम करने और क्षेत्र की **प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।**
- **उत्तराखंड के कृषि संसाधन:**
  - **उत्तराखंड माल्टा, सेब, बुरांश फूल, नाशपाती** और **गलगल** जैसे फलों से समृद्ध है, जिनका उपयोग शराब उत्पादन (Wine Production) के लिये किया जा सकता है।
  - **ये स्थानीय संसाधन वाइन टूरिज़्म** के लिये एक अद्वितीय आकर्षण बनाने में सहायता करेंगे।
- **विस्तार योजनाएँ:**
  - **कोटद्वार** में दो माह पूर्व एक प्राइवेट वाइन यूनिट स्थापित की गई है, जो आबकारी विभाग (Excise Department) की अनुमति से लगातार शराब का उत्पादन कर रही है।
  - **बागेश्वर** और **चंपावत** में नए वाइन उत्पादन संयंत्रों की योजना बनाई गई है।
- **आर्थिक एवं रोज़गार उद्देश्य:**
  - सरकार का उद्देश्य यह है कि आबकारी नीति के माध्यम द्वारा **राजस्व में वृद्धि** हो और रोज़गार के नए अवसर सृजित किये जाएँ।
  - **पहाड़ी क्षेत्रों में लघु एवं मध्यम वाइन उत्पादन इकाइयों को** प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे **स्थानीय फलों का उपयोग करके** स्थानीय लोगों के लिये रोज़गार और व्यावसायिक अवसर उत्पन्न होंगे।

h

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhands-wine-tourism-initiative